मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 44, मुंबई, शुक्रवार, 26 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

कोरोना महामारी को रोकने में...

नाकाम रहा लॉकडाउन

दूसरी लहर को रोकथाम के लिए टीकाकरण एकमात्र उपायः रिपोर्ट

मुंबई। पिछले महीने से देश में कोविड-19 के मामले एक बार फिर से तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में इसे रोकने के लिए लॉकडाउन लगाने के बजाय तेजी से टीकारकण करने की अपील की गई है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने एक रिपोर्ट में कहा कि लॉकडाउन कारगर साबित नहीं हुआ है और बड़े पैमाने पर लोगों का टीकाकरण ही एकमात्र उपाय है क्योंकि स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाने से संक्रमण के प्रसार की रोकथाम नहीं हो पाई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

3700 करोड़ के बैंक फ्रॉड

सीबीआई ने 11 राज्यों में 100 ठिकानों पर मारे छापे

जयपुर, भोपाल और अहमदाबाद में भी कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने गुरुवार को 11 राज्यों की 100 लोकेशन पर छापे मारे। इनमें जयपुर, भोपाल और अहमदाबाद भी शामिल हैं। ये कार्रवाई 3,700 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामलों में की गई। इन फ्रॉड को लेकर देशभर में 30 एफआईआर दर्ज हुई हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

फर्जी दस्तावेजों से लोन लेकर डिफॉल्ट कर रही हैं कंपनियां

सीबीआई के स्पॉक्सपर्सन जोशी ने बताया कि सीबीआई को अलग-अलग बैंकों की तरफ से धोखाधड़ी, फंड डायवर्जन और फर्जी दस्तावेज इस्तेमाल करने की शिकायतें मिल रही हैं। ये शिकायतें लोन लेने में फर्जीवाड़ा और डिफॉल्ट करने वाली फर्मों के खिलाफ हैं। इन पर आरोप हैं कि ये फर्में फर्जीवाड़ा कर लोन लेती हैं और फिर पेमेंट में डिफॉल्ट करती हैं। इससे सरकारी बैंकों का नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) बढ़ता है और उन्हें भारी नुकसान होता है।

वझे के घर में हथियारों का जखीरा

एनआईए रेड में मिले 62 जिंदा कारतूस

संवाददाता

मुंबई। एंटीलिया विस्फोटक और मनसुख हत्या मामले की जांच कर रही एनआईए ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एनआईए के मुताबिक गिरफ्तार एपीआई सचिन वझे के घर से उन्हें जांच में 62 जिंदा कारतूस मिले थे। यह कारतूस वझे ने घर में क्यों रखे थे। इसका जवाब वो नहीं दे पाए हैं। आखिर इतने सारे कारतूस को घर में रखने के पीछे की वजह क्या थी? यह तमाम बातें अभी भी सवाल ही हैं। यह जानकारी एनआईए ने अदालत में दी है। वहीं सचिन वझे ने अदालत में कहा कि उसे इस मामले में 'बलि का बकरा' बनाया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अप्रिय घटनाक्रम

बिहार विधानसभा में जो अप्रिय स्थिति बनी, उसकी प्रशंसा कोई नहीं करेगा। साथ ही, इस मामले में जिस तरह राजनीति बढ़ रही है, वह भी कतई शुभ संकेत नहीं है। बुधवार को भी विधानसभा परिसर में खूब हंगामा हुआ। विपक्षी नेताओं, कांग्रेस और राजद के विधायकों ने परिसर में आंखों पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। इन विधायकों की मांग थी कि विधानसभा में विधायकों के साथ हुए दुर्व्यवहार के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बुधवार को विधानसभा की कार्यवाही में एक भी विपक्षी विधायक ने भाग नहीं लिया और बाद में कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करनी पड़ी। जो दुखद संकेत हैं, उससे यही लगता है कि अब अप्रिय स्थिति की गुंजाइश सदन में नहीं, बल्कि सड़कों पर बनेगी। बिहार की राजनीति में विपक्ष की मजबूती किसी से छिपी नहीं है और सरकार विपक्ष को राजी या नाराज रखने के लिए क्या कर सकती है, यह विधानसभा उपाध्यक्ष के चुनाव में प्रदेश ने देख लिया है। संभव है, विधानसभा उपाध्यक्ष के चुनाव में हार की आशंका से भी विपक्ष को विरोध तेज करने की प्रेरणा मिली हो। यह आज की राजनीति में कोई नई बात नहीं है। जो भी जहां सत्ता में है, वह विपक्ष को कोई मौका या पद देना नहीं चाहता, तो बढ़ती सियासी तल्खी को कैसे रोका जाए? मंगलवार को विधानसभा में जो हुआ है, उसके बाद तो बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस विधेयक 2021 का मामला कुछ नेपथ्य में चला गया। इस विधेयक से विपक्ष की नाराजगी को समझना राजनीतिक रूप से भले जरूरी न हो, लेकिन अपराध रोकने के लिए सबको साथ लेकर चलना कितना जरूरी है, सब जानते हैं। बिहार में अब भी यदा-कदा ऐसी हिंसक घटनाएं हो जाती हैं, जिनके सामने हम पुलिस को हांफते देखते हैं। बिहार में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए जान-माल की संपूर्ण सुरक्षा की बहाली कितनी जरूरी है, इसे प्रदेश के बाहर भी लोग समझने लगे हैं। दूसरे प्रदेशों में भी ऐसे कड़े कानून बने हुए हैं, जिनमें पुलिस को कुछ ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। सरकार के अनुसार, नया कानून इसलिए लाया गया है, ताकि वर्तमान में कार्यरत बीएमपी को कुशल, प्रशिक्षित और क्षेत्रीय सशस्त्र पुलिस बल के रूप में विकसित किया जा सके। यह विधेयक किसी नए पुलिस बल का गठन नहीं करता, बल्कि 129 साल से सेवारत बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) को विशेष सशस्त्र पुलिस बल के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखता है। शायद विपक्ष को विश्वास में लेने में कोई कमी रह गई। जहां तक विधानसभा में मारपीट का प्रश्न है, तो आलोचना के निशाने पर आए सुरक्षा बलों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। सदन के अंदर किसी प्रतिनिधि से मारपीट सांविधानिक कृत्य नहीं है। जिन लोगों के हाथ जन-प्रतिनिधियों पर उठे हैं, वे कहां ड्यूटी करने लायक हैं, संविधान और लोक-व्यवहार की रोशनी में विचार कर लेना चाहिए। इसके साथ ही, विधायकों को भी ध्यान रखना होगा कि संविधान उन्हें अपनी बात रखने के लिए किस हद तक जाने की इजाजत देता है। सोचना ही चाहिए कि लोगों के बीच क्या संदेश गया है। क्या देश की विधानसभाओं में ऐसे दृश्य आम हो जाएंगे? क्या विधायकों को सुरक्षा बलों से मुकाबले के लिए तैयार होकर सदन में आना पड़ेगा? ऐसी कोई परंपरा नहीं बननी चाहिए, जो राज्य के दामन पर दाग बढ़ाती हो।

अमित शाह गृह मंत्री और अंबानी से रंगदारी हिमाकत!

उफ! कैसी यह हिंदूशाही?-3: गजब है अमित शाह का गृहमंत्रित्व! कभी सुना करते थे दाऊद इब्राहिम मुंबई के धन्ना सेठों को डराता है, पैसा वसूलता है! और अब? गृह मंत्री अमित शाह के भारत शासन में? पुलिस हवलदार, सब-इंस्पेक्टर याकि भारत की पुलिस इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस मुल्ला के उस कथन को सही साबित करते हुए है कि देश में यदि अपराधियों का कोई संगठित गिरोह है तो वह पुलिस है। मैं कतई अंबानी समर्थक नहीं हूं। उलटे मैं भारत की बरबादी के कारणों में एक भ्रष्ट क्रोनीवाद के पर्याय अंबानी, अदानी को मानता हूं और इस पर लिखता रहा हूं। बावजूद इसके यह चर्चा झनझना देने वाली है कि भारत सेठ अंबानी से रंगदारी वसूलने के लिए पुलिसजनों ने साजिश रची!

सोचें नरेंद्र मोदी और अमित शाह के खास देश के नंबर एक सेठ और वह भी गुजराती और उस पर खाकी वर्दी की ऐसी नजर! उसे डराने के लिए विस्फोटक छड़ियों सहित मूवमेंट, साजिश की किस्सागोई! आप पूछ सकते हैं भला इसमें अमित शाह और मोदी की हिंदूशाही का क्या मतलब? है और जबरदस्त है! इसलिए कि भारत जो देश है वह दिल्ली तख्त के मिजाज से धड़कता है। यदि लाल किले के बादशाह का चांदनी चौक के कोतवाल से बेजा उपयोग है तो पुणे का घासीराम कोतवाल भी मनमानी करता हुआ होगा। देश का हर कोतवाल स्वंयभू सत्ता बना जनता को, धनपतियों को, कोठों को, नर्तकियों को नचवाएगा। यह भारत का इतिहासजन्य डीएनए है। इसे और समझना है तो गौर करें कि मुंबई का बॉलीवुड फिलहाल मोदीशाही के आगे कैसा नाचता हुआ है? क्या बॉलीवुड वैसा है, क्या मुंबई के धनपति वैसी आजादी में या वैसी आबोहवा में जीते हुए हैं, जैसे मनमोहन सरकार के वक्त में थे? क्या बॉलीवुड का ग्लैमर नरेंद्र मोदी के आगे लेटता, नाचता, ता-ता थैया करता हुआ नहीं है? वे उद्धव ठाकरे की सरकार से डरते हुए हैं या

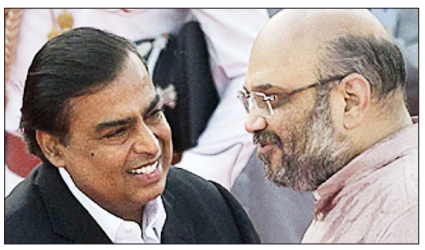

मोदी सरकार से? तभी हमेशा नोट रखें कि दिल्ली तख्त के राजा के चाल, चेहरे, चरित्र और उसकी राजशाही के व्यवहार में भारत की हर संस्था, हर पुलिस फोर्स, सीबीआई, ईडी, आय कर याकि भारत राष्ट्र-राज्य का लाठीतंत्र संचालित है, प्रेरणा पाता है, उससे गाइडेड है।

मतलब प्रदेश के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री भी दिल्ली की सत्ता के चरित्र के अनुगामी हैं। यों भी आजाद भारत के (और गुलामी काल में भी) हर सत्तावान की कोतवाल, पुलिस, डंडे के बल से पैसे की तलब पूरी होती रही है। अपनी पुरानी थीसिस है कि भारत लूटने के लिए है और कमाल है जो लोग नादिरशाह से लेकर आज तक लूटते आ रहे हैं फिर भी विद्रोह, क्रांति नहीं सुलगती। गुलामी ने और लूट के अनुभव ने हिंदू को इतना मंद, कुंद, कायर व भगवान भरोसे बना दिया है कि मुंबई में, पूरे देश ने इस चर्चा को सामान्य माना कि खाकी गैंग की हिमाकत जो अंबानी से रंगदारी! बात रूटिन में आई-गई हो रही है। दिमाग का यह विस्तार ही नहीं कि मोदी के राज में ऐसा अंबानी के साथ है तो आम जीवन के साथ क्या? जब अमित शाह ने गृह मंत्रालय संभाला था तो मैंने उम्मीद में लिखा था कि पूर्ववर्ती गृह मंत्री जो नहीं कर पाए वह शायद अमित शाह से हो। यदि उनके गृह मंत्री बनने के बाद भी भारत के नागरिक का कोतवाली, खाकी वर्दी का अनुभव नहीं बदला तो कुछ नहीं बदला। मेरी इस सदिच्छा के पीछे नरेंद्र मोदी और अमित शाह का खुद का अनुभव बोलता हुआ था। तथ्य है कि मोदी-शाह स्वंय पुलिस का कटु अनुभव लिए हुए हैं। आईएएस और आईपीएस जमात के प्रदीप शर्मा और संजीव भट्ट यदि आज भी गुजरात की जेल में हैं तो इससे भी मोदी-शाह का अनुभव झलकता है। बावजूद इसके हिंदूशाही के सात सालों में सब उलटा हुआ। आईएएस मंत्री बने हुए हैं और पुलिस अंबानी से रंगदारी की हिम्मत लिए हुए!

हां, दिल्ली तख्त के राजाधिराज में नवरत्न मंत्री आईएएस-आईएफएस अफसरान हैं और पुलिस, जांच एजेंसियों से भारत खौफ व रंगदारी का कुंआ बना है। अंबानी प्रकरण आईसबर्ग के टॉप की नुकीली चोटी है। नीचे, सतह के भीतर, पानी के अंदर एजेंसियों ने वह गदर मचाई हुई है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। कल ही मुझे एक भुक्तभोगी सेठ ने बताया कि मोदी ने बजट में घोषणा कराई कि एक अप्रैल से आय कर विभाग केवल तीन साल का पुराना रिकार्ड तलब करने का अधिकार लिए हुए होगा। मतलब पहले पांच-छह-दस साल के रिकार्ड के नोटिस भेज कर अधिकारियों की जो अंधेरगर्दी थी वह खत्म। मगर वह बजट घोषणा एक, अप्रैल से लागू होती उससे पहले 31 मार्च खत्म होते-होते अधिकारी पांच-छह साल पुराने रिकार्ड के हवाले धड़ाधड़ नोटिस जारी कर रहे हैं ताकि सेठ लोग एक अप्रैल बाद चक्कर लगाते रहें। सेठों से नजराना, शुक्राना पाते रहे। क्या यह मोदी-शाह को पता है? क्या पहले ऐसा नहीं होता था? हां, होता था लेकिन तब और अब का फर्क यह है कि पहले पुलिस और एजेंसियां न्याय, जवाबदेही याकि संविधानसम्मत व्यवस्था में सर्वजनीय, समान सोच लिए हुए थीं। जबकि अब राजा की निजी फौज में बदली हुई हैं। पुलिस, सीबीआई, ईडी जैसी तमाम एजेंसियों को लेकर आज क्या धारणा है, इनसे क्या काम होता हुआ है? जवाब है डराने, बदला लेने, अनाचार और भेदभाव का काम। हिंदूशाही ने भारत को लड़ाई का स्थायी पानीपत मैदान बना डाला है।

श्रीलंका पर भारत की तटस्थता

श्रीलंका के मामले में भारत अजीब-सी दुविधा में फंस गया है। पिछले एक-डेढ़ दशक में जब भी श्रीलंका के तमिलों पर वहां की सरकार ने जुल्म ढाए, भारत ने द्विपक्षीय स्तर पर ही खुली आपत्ति नहीं की बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी तमिलों के सवाल को उठाया। उसने 2012 और 2013 में दो बार संयुक्त-राष्ट्र संघ के मानव अधिकार आयोग में इस मुद्दे पर श्रीलंका के विरोध में मतदान किया लेकिन इस बार इसी आयोग में श्रीलंका सरकार के विरोध में कार्यवाही का प्रस्ताव आया तो भारत तटस्थ हो गया। उसने मतदान ही नहीं किया। आयोग के 47 सदस्य राष्ट्रों में से 22 ने इसके पक्ष में वोट दिया 11 ने विरोध किया और 14 राष्ट्रों ने परिवर्जन (एब्सटेन) किया। भारत ने 2014 में भी इस मुद्दे पर तटस्थता दिखाई थी। इसका मूल कारण यह है कि

पिछले छह-सात साल में भारत और श्रीलंका की सरकारों के बीच संवाद और सौमनस्य बढ़ा है। इसके अलावा अब वहां का सिंहल-तमिल संग्राम लगभग शांत हो गया है। अब उन गड़े मुर्दों को उखाड़ने से किसी को कोई खास फायदा नहीं है। इसके अलावा चीन के प्रति श्रीलंका का जो झुकाव बहुत अधिक बढ़ गया था, वह भी इधर काफी संतुलित हो गया है। लेकिन भारत सरकार के इस रवैए की तमिलनाडु में कड़ी भर्त्सना हो रही है। ऐसा ही होगा, इसका पता उसे पहले से था। इसीलिए भारत सरकार ने आयोग में मतदान के पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि वह श्रीलंका के तमिलों को न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध है। वह तमिल क्षेत्रों के समुचित विकास और शक्ति-विकेंद्रीकरण की बराबर वकालत करती रही है लेकिन इसके साथ-साथ वह श्रीलंका की एकता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन से कभी पीछे नहीं हटी है। उसने श्रीलंका के विभाजन का सदा विरोध किया है। उसने दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों की आवाज में आवाज मिलाते हुए मांग की है कि श्रीलंका की प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव करवाए जाएं। दूसरे शब्दों में भारत ने बीच का रास्ता चुना है। मध्यम मार्ग! लेकिन पाकिस्तान, चीन, रुस और बांग्लादेश ने आयोग के प्रस्ताव का स्पष्ट विरोध किया है, क्योंकि उन्हें श्रीलंका के तमिलों से कोई मतलब नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई में 5,504 नए कोरोना संक्रमित मिले, यह एक दिन में अब तक के सबसे ज्यादा केस, 81% नए मामले महाराष्ट्र, गुजरात समेत 6 राज्यों में

मुंबई। मुंबई में कोरोना के 5,504 नए मरीज मिले। यह आंकड़ा एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा है। वहीं, देश में कोरोना संक्रमण के 81% नए मामले महाराष्ट्र और गुजरात समेत छह राज्यों से आ रहे हैं। हेल्थ मिनिस्ट्री ने गुरुवार को बताया कि महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में संक्रमण तेजी से पांव पसार रहा है। इनमें से महाराष्ट्र और गुजरात ऐसे दो राज्य हैं, जहां महामारी शुरू होने के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा पॉजिटिव केस में उछाल आया है। इस बीच, कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु आने वाले लोगों के लिए कोरोना

निगेटिव रिपोर्ट जरूरी कर दी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने बताया कि अन्य राज्यों से आने वाले लोगों को आरटी-पीसीआर टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा। देश में रोजाना मिल रहे कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 50 हजार के पार हो गया है। बुधवार को 53,419 मरीज मिले। 26,575 ठीक हुए और 249 की मौत हो गई। नए संक्रमितों का यह आंकड़ा 23 अक्टूबर के बाद सबसे ज्यादा है। तब 53,931 मरीज मिले थे। बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा 31,855 मरीज महाराष्ट्र में मिले। यहां 15,098 मरीज ठीक हुए और 95 संक्रमितों की मौत हो गई।

बीएमसी में बजा चुनावी बिगुल

सत्ताधारी शिवसेना व भाजपा के बीच फिर जोरआजमाइश

मुंबई। अगले साल होनेवाले बीएमसी चुनाव से पहले आखिरी बार बीएमसी में चुनाव का बिगुल बज गया है। बीएमसी में 5 से 22 अप्रैल के बीच वैधानिक, विशेष व प्रभाग समितियों के चुनाव होगा। इन समितियों के चुने गए प्रमुखों का कार्यकाल वर्ष 2021-22 के बीच होगा। बीएमसी चुनाव से पहले समितियों के चुनाव को सेमीफाइनल माना जा रहा है। जनता के बीच जाने से पहले सत्ताधारी शिवसेना व मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के बीच इस चुनाव में तगड़ी जोर-आजमाइश देखने को मिल सकती है। दोनों दल इस चुनाव अपना प्रभुत्व साबित करने की कोशिश करेंगे, जिससे अगले साल चुनाव में बढ़े हुए हौसलों के साथ मैदान में उतर सकें।

शिवसेना का पलड़ा भारी

कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष समितियों का चुनाव अप्रैल की बजाए अक्टूबर में हुआ था। तब 6 वैधानिक समितियों एवं 4 विशेष समितियों पर शिवसेना ने कब्जा किया था। जबकि 17

प्रभाग समितियों में से 12 पर शिवसेना व 5 पर भाजपा का कब्जा ने कब्जा किया था। तब कांग्रेस, एनसीपी एवं सपा ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से शिवसेना की मदद की थी। कांग्रेस ने कई समितियों के लिए अपने प्रत्याशी भी उतारे थे, लेकिन अंतिम समय में उन्हें मैदान से हटा लिया था। जिसका फायदा शिवसेना को हुआ था। और शिवसेना के प्रभाग समिति अध्यक्षों की संख्या में इजाफा हुआ था। मेयर किशोरी पेडणेकर के लिए यह चुनाव काफी चुनौतीपूर्ण है। यहां विपक्षी पार्टी पर बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर है।

कांग्रेस-एनसीपी पर नजर

बीएमसी चुनाव को देखते हुए सभी दलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। पिछली प्रभाग समितियों के चुनाव में शिवसेना का साथ देनेवाली कांग्रेस बीएमसी चुनाव में अकेले दम पर मैदान में उतरने का दम भर रही है। मुंबई कांग्रेस के नए अध्यक्ष भाई जगताप एवं बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा कई बार बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की बात कह चुके हैं। ऐसे में देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस बार समितियों के चुनाव में कांग्रेस का क्या स्टैंड रहता है। वहीं राकांपा एवं सपा पर भी सबकी नजर रहेगी। पिछली बार की तरह भाजपा को रोकने के लिए यह दल शिवसेना का साथ देते हैं या चुनावी रणनीति को देखते हुए अपना अलग रुख अख्तियार करते हैं। कांग्रेस नगरसेवक एवं बीएमसी में नेता विपक्ष रवि राजा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व जो हमें आदेश देगा हम वहीं करेंगे। चुनाव को लेकर बड़े नेताओं के साथ बैठक होगी, जिसमें विचार- विमर्श के बाद निर्णय लिया जाएगा।

यशवंत जाधव पर दांव!: बीएमसी में सबसे महत्वपूर्ण स्थायी समिति अध्यक्ष पद पर शिवसेना एकबार फिर से यशवंत जाधव पर दांव लगा सकती है। शिवसेना चुनावी साल में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहेगी। हालांकि भाजपा के विनोद मिश्रा ने जाधव पर कई आरोप लगाए हैं। लेकिन शिवसेना पूरी मजबूती के साथ जाधव कर समर्थन में खड़ी रही।

कोरोना ने बढ़ाई रेलवे की चिंता, डीआरएम ने लिखा पत्र

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से लगातार कोरोना के मामले तेज लोकल की गति से बढ़ रहे हैं। रोज डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं, ऐसे में फिलहाल 38-40 लाख लोगों को सेवा देने वाली रेलवे भी कैसे अछूती रह सकती है। पश्चिम रेलवे के बोरीवली रिजर्वेशन काउंटर पर काम करने वाले 7 बुकिंग क्लर्क संक्रमित होने के बाद प्रशासन की परेशानी बढ़ गई है। पश्चिम रेलवे पर काम करने वाले बुकिंग क्लर्क मौजूदा स्थिति से काफी नाराज हैं। गोपनीयता की शर्त पर कुछ वरिष्ठ बुकिंग क्लर्क ने बताया कि कई बार सीनियर डीसीएम से गुजारिश की गई है कि बुकिंग क्लर्क स्टाफ का भी वैक्सिनेशन किया जाए, फ्रंटलाइन स्टाफ में नाम होते हुए भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल और मध्य रेलवे के कल्याण स्थित अस्पताल में वैक्सिनेशन किया जा रहा है। यहां मेडिकल से जुड़े सभी कर्मचारी, मोटरमैन, लोको पायलट और गार्ड इत्यादि का

वैक्सिनेशन चल रहा है। पश्चिम रेलवे के स्वास्थ्य अधिकारी ने राज्य के प्रधान सचिव स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर सभी रेल कर्मचारी और उनके परिवार को वैक्सिनेशन के लिए मंजूरी मांगी है। पत्र में लिखा गया है कि पश्चिम रेलवे के 29 हजार कर्मचारी जो मुंबई की सर्विस में दिन रात जुटे हैं, उन्हें बिना किसी रोकटोक के वैक्सीन दी जाए। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.छत्र सिंह आनंद ने पत्र में लिखा है कि जगजीवन राम अस्पताल में वैक्सीन स्टोरेज के लिए पर्याप्त सुविधा है, राज्य सरकार इनकी सप्लाई की व्यवस्था करे। मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, टिकट बुकिंग खिड़कियां हों या मोटरमैन केबिन हर ट्रिप के बाद इन्हें सैनिटाइज किया जाता है। फ्रंट पर काम करने वाले स्टाफ का खास खयाल रखा जाता है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

कोरोना महामारी को रोकने में नाकाम रहा लॉकडाउन

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसलिए टीकाकरण की गति बढ़ाने से ही महामारी के खिलाफ लड़ाई जीती जा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल इस दिन जब पूरे देश में लॉकडाउन लागू किया गया था, तब संक्रमण के कुल मामले 500 से अधिक नहीं थे और लॉकडाउन की अवधि विस्तारित होने के साथ-साथ मामले बढ़ते चले गये। उन्होंने महाराष्ट्र और पंजाब सहित कई राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि लॉकडाउन कारगर नहीं रहे हैं। गौरतलब है कि बुधवार को देश में संक्रमण के करीब 53,500 नये मामले सामने आए।

3700 करोड़ के बैंक फ्रॉड

सीबीआई के स्पॉक्सपर्सन आर सी जोशी ने बताया कि देश की अलग-अलग बैंकों से मिली शिकायतों के आधार पर फ्रॉड करने वालों के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के तहत यह छापे मारे गए हैं। शिकायत करने वाले बैंकों में इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी, एसबीआई, आईडीबीआई, केनरा बैंक, इंडियन बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल हैं। इन बैंकों की शिकायतों के आधार पर कानपुर, दिल्ली, गाजियाबाद, मथुरा, नोएडा, गुड़गांव, चेन्नई, तिरुवरुर, वेल्लोर, तिरुपुर, बेंगलुरु, गुंटूर, हैदराबाद, बल्लारी, वडोदरा, कोलकाता, पश्चिम गोदावरी, सूरत, मुंबई, भोपाल, निमाडी, तिरुपति, विशाखापट्टनम, अहमदाबाद, राजकोट, करनाल, जयपुर और श्रीगंगानगर में रेड मारी गई।

वझे के घर में हथियारों का जखीरा

फिलहाल अदालत ने इस मामले सचिन वझे को 3 अप्रैल तक एनआईए की हिरासत में भेजा है। एनआईए ने बताया कि इसके अलावा सचिन वझे को 30 जिंदा कारतूस बतौर पुलिस अधिकारी सरकारी कोटे से भी दिए गए थे। हालांकि इनमें से सिर्फ पांच गोलियां ही सचिन वझे के पास मिली हैं। बाकी की 25 गोलियां गायब हैं। ये कारतूस कहां गए? इनका क्या इस्तेमाल हुआ? इस बारे में भी सचिन वझे ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। इस मामले ने ना सिर्फ मुंबई महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश को हिला कर रख दिया है क्योंकि इस पूरी साजिश में एक पुलिस अधिकारी शामिल है। जिसने इस पूरी घटना की साजिश रची और उसे अपने सहयोगियों के जरिए अंजाम दिया। अदालत में सचिन वझे की कस्टडी को और बढ़ाने की मांग की है। एनआईए ने इस बाबत कई अहम ग्राउंड दिए हैं। जिसकी बिना पर वह कस्टडी बढ़ाने की मांग कर रही है। एनआईए ने कहा कि मनसुख हत्या मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों को सचिन वझे के साथ आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करनी है। जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपी वझे का ब्लड सैंपल लिया गया है जिसे गाड़ी से रिकवर किए गए फॉरेंसिक टीम से मैच करवाना है। साजिश में इस्तेमाल की गई 5 गाड़ियों का भी सैंपल लिया गया है। जिसकी डीएनए प्रोफाइलिंग की जा रही है। आरोपी ने इस मामले में डीवीआर को भी गायब कर दिया है। इसके अलावा पांच सितारा होटल में रूम बुक करने के लिए जिस व्यक्ति ने 12 लाख रुपए दिए गए थे उससे से आमने सामने की पूछताछ करनी है। एनआईए ने अदालत को बताया कि आरोपी का वॉयस सैंपल और वीडियो फुटेज फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। वहीं आरोपी सचिन वझे के वकील ने अदालत में दलील दी है कि एनआईए यह साबित करें कि इस मामले में यूएपीए कैसे लग सकता है। उन्होंने कहा जिलेटिन की छड़ों बिना डेटोनेटर के बम नहीं बन सकती हैं। सिर्फ.जिलेटिन की रॉड को हैंडल करना काफी आसान है। यह केस इंडिविजुअल के खिलाफ है ना कि पूरे समाज के खिलाफ। यूएपीए में खतरा पूरे समाज को होता है, पूरे देश की एकता को खतरा होता है लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ भी नहीं है। इस मामले में देश की अखंडता को भी किसी प्रकार की इसी प्रकार की चोट नहीं पहुंच रही है। वकील ने यह भी कहा कि आरोपी का इंटेंट भी इस मामले में देखा जाना चाहिए। यूएपीए लगाने के बहुत क्लॉज होते हैं जिनका पालन जांच एजेंसी ने नहीं किया है।

वीरेंद्र राठौर की किताब से हुआ अभिनय सीखना आसान

वीरेंद्र राठौर की पहली किताब 'स्विच ऑन-स्विच ऑफ एक्टिंग मेथड' रिलीज के दो घंटे के भीतर अमेजन इंडिया पर बेस्ट सेलर बन गई

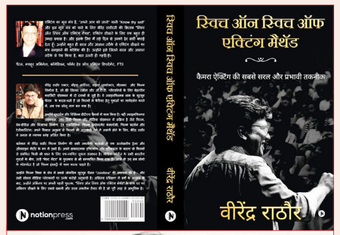

मुंबई। वीरेंद्र राठौर लिखित किताब 'स्विच ऑन-स्विच ऑफ एक्टिंग मेथड' ने अपनी रिलीज के पहले दो घंटों के भीतर अमेजॅन बेस्ट सेलर बनने का अपना पहला मील का पत्थर पार कर लिया। हिंदी भाषा में यह पुस्तक भारत में अपनी तरह की पहली पुस्तक है और आर्ट ऑफ एक्टिंग सीखने के लिए कुछ सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों पर प्रकाश डालती है। पुस्तक स्विच ऑन-स्विच ऑफ एक्टिंग मेथड, मार्च 2020 में घोषित की गई, शुरूआत के बाद से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और प्री-बुकिंग के दौरान भी 1000 से अधिक प्रतियों का आदेश दिया गया। हालांकि, जब कोविड -19 महामारी के कारण विस्तारित राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया गया था, तो पुस्तक को एक वर्ष के लिए जारी नहीं किया जा सकता था। पुस्तक के विमोचन में देरी से छात्रों और बाकी सभी के लिए निराशाजनक थी, लेकिन लेखक वीरेंद्र राठौर को नए शोध के साथ अभिनय सीखने की तकनीक के बारे में कुछ और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ने का मौका मिला। भारत में अभिनय सीखने का एक मूल तरीका विकसित नहीं हुआ है और इसके बाद अभिनय करने वाले छात्र सफल अभिनेता बन गए हैं क्योंकि भरत मुनि का नाट्यशास्त्र अंतिम सहस्राब्दी में संस्कृत भाषा में लिखा गया है।

हमारे देश के अधिकांश अभिनय स्कूलों में सिखाई जाने वाली अन्य सभी अभिनय पद्धतियाँ भारत के बाहर विकसित हैं और भारतीय फिल्मों में अभिनय के लिए ज्यादातर अप्रासंगिक हैं। विमोचन से पहले पुस्तक की समीक्षा एक्टिंग विभाग के एफटीआईआई के पूर्व प्रमुख और एफटीआईआई के पूर्व छात्र, पेंटल ने किया जो हिंदी फि ल्मों में कॉमेडियन और हिंदी फि ल्मों के लोकप्रिय लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं। अपनी समीक्षा में पेंटल कहते हैं कि वीरेंद्र राठौर ने बहुत सरल और आसान तरीके से अभिनय सीखने के मंत्र को समझाने की कोशिश की है। उस मामले की तह तक जाना, खुद को और अपनी भावनाओं को समझना, इस पुस्तक में प्रक्रिया का पालन करने से आसान हो जाएगा। इस पुस्तक में, अभिनय के हर पहलू को उत्कृष्ट उदाहरणों के साथ समझाया गया है। जबकि विमल कुमार ने भी इन शब्दों में पुस्तक की सराहना की है, इस पुस्तक को पढ़कर कोई भी व्यक्ति जो अभिनय में रुचि रखता है और अभिनय में अपना करियर बनाना चाहता है, एक आसान रास्ता पा सकता है। मैं खुद एफटीआईआई का छात्र हूं, और मुझे वहां अभिनय करने के बारे में जो भी ज्ञान मिला, वह आपको इस पुस्तक में मिल जाएगा। स्विच ऑन-स्विच ऑफ एक्टिंग करना मुश्किल है, लेकिन जिसने भी इसे करना सीखा है, वह जानता है कि उसने अभिनय की सबसे बड़ी गुणवत्ता सीख ली है। जॉन फिल्म्स अकादमी के संरक्षक और इस किताब में दिमाग लगाने वाले लेखक वीरेंद्र राठौर न केवल पुस्तक की प्रतिक्रिया से बल्कि इसकी उत्कृष्ट समीक्षाओं से अभिभूत हैं। उनका कहना है कि इस पुस्तक के साथ वह केवल उस व्यक्ति तक पहुंचना चाहते थे जो अभिनय सीखना चाहते हैं, लेकिन बड़े शहरों में महंगे अभिनय संस्थानों और फिल्म स्कूलों में शामिल नहीं हो सकते।

उन्होंने इस पुस्तक में भारतीय फिल्मों में अभिनय करने के बारे में कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला हर तरीका साझा किया है। वीरेंद्र राठौर एक अनुभवी फिल्मकार हैं, जो पिछले दो दशकों से सिल्वर स्क्रीन और ओटीटी प्लेटफार्मों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्शन में शामिल हैं। वह यूट्यूब चैनल जॉइन फिल्म्स के संस्थापक हैं, जो अब फिल्मों में कैरियर के लिए युवाओं का मार्गदर्शन करने में एक घरेलू नाम बन गया है। वर्तमान में वह फिल्म निर्माण की सभी तकनीकी कलाओं में एक उल्लेखनीय ट्रेनर और ऑनलाइन गुरु के रूप में उभरे हैं। अपने सकारात्मक दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के कारण, वह फिल्मों से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए एक-व्यक्ति सूचना संसाधन है। मीडिया पाठ्यक्रमों में सभी भारतीय गुरुओं के बीच, उन्हें 'बेस्ट मेंटर' पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। आज वह उन सभी लोगों के गॉडफादर हैं जो फिल्म इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं। उन्होंने फिल्म शिक्षा के क्षेत्र में सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल की स्थापना की है। द जॉइन फिल्म्स और सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों अनुयायी हैं। अभिनय प्रशिक्षण में वर्षों के अनुभव के बाद, उन्होंने अभिनय पर अपनी पहली पुस्तक, 'स्विच ऑन-स्विच ऑफ एक्टिंग मेथड' के साथ घर पर अभिनय सीखने के लिए पूरी तरह से नवीनतम और सरल तकनीक विकसित की है।

प्रवाह संस्था ने किया क्षत्रिय समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सम्मान

संवाददाता

मुंबई। हाल ही में प्रवाह सामाजिक संस्था के अध्यक्ष अवनीश सिंह द्वारा जोगेश्वरी पश्चिम स्थित सिंह हाउस में सत्कार समारोह का आयोजन किया गया। उसी अवसर पर अवनीश सिंह ने क्षत्रिय समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सम्मान किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में एच. एन. सिंह (प्रताप बैंक), उदय प्रताप सिंह (प्रवक्ता मुम्बई भाजपा), विक्रम प्रताप सिंह (शिवसेना नेता, मीरारोड), मनोज सिंह (नाहर स्टेट राममंदिर), अनिल सिंह (समता बैंक), राकेश सिंह (राजपूत सिक्योरिटी), विक्रम सिंह विक्की, संदीप सिंह (मलाड), अखिलेश सिंह, जितेन्द्र सिंह (ठाकुर काम्प्लेक्स), विनय सिंह, अनिल सिंह (ठाकुर कम्प्लेक्स), संजय सिंह, राजेश सिंह, महेश सिंह, दिपक नंन्दू सिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह, प्रकाश मिश्रा, सुनील पाण्डेय, प्रदीप कुमार सिंह, रविश सिंह, प्रितम सिंह, लोकेश सिंह, विशाल सिंह, सुधाकर सिंह विशेन की विशेष उपस्थिति रही। समाज में उनके उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए संस्था उन्हें सम्मानित करने का बीड़ा उठाया।

ममता का चुनाव आयोग पर हमला: बंगाल से सभी अधिकारियों के तबादले कर दें तब भी टीएमसी ही जीतेगी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप कर रही है। राज्य की मुख्यमंत्री बनर्जी ने गत दिनों निर्वाचन आयोग द्वारा बड़े पैमाने पर राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले किए जाने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने दांतन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह से भाजपा निर्वाचन आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप कर रही है, ऐसा लगता है कि यह भाजपा आयोग है। ममता बनर्जी ने कहा कि सागर द्वीप से दांतन हेलीकॉप्टर से आने के दौरान तबादलों की उन्हें जानकारी मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं कह रही हूं भले आप (निर्वाचन आयोग) सभी (अधिकारियों) का तबादला कर दें। इससे हमारी जीत प्रभावित नहीं होगी क्योंकि जनता हमारे साथ है। हालांकि उन्होंने कहा कि उनके मन में निर्वाचन आयोग के लिए अगाध सम्मान है। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैं निर्वाचन आयोग से सवाल करना चाहती हूं कि आखिर क्यों लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के दौरान पुलिस बलों का नियंत्रण केंद्र के हाथों में होता है?

राज्य मंत्री ने जितेंद्र को राष्ट्रीय युवा गौरव एवं डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने एनएचआरओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार उर्फ रवि को राष्ट्रीय युवा गौरव सम्मान के साथ डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया है। यह सामान उनको नेशनल ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन के द्वारा दिल्ली के रेडिसन ब्लू फाइव स्टार होटल में आयोजित कार्यशाला के दौरान दिया गया है। बताते चलें जितेंद्र के द्वारा देश के कोने कोने में लोगों को मानव अधिकार के प्रति जागरूक करते रहे हैं। वहीं मानवाधिकार का हनन को रोकने के लिए वह लगातार प्रयासरत रहते हैं। इसको लेकर जिसको लेकर संगठन के युवा भी उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। इस मौके पर उन्हें बधाई देने वालों में दैनिक मुंबई हलचल के डायरेक्टर व संपादक दिलशाद खान, डॉक्टर एमडी माथुर, डॉक्टर नयन प्रकाश गांधी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सीएम पूरी जी, सौरव पुरी युवा अध्यक्ष दिल्ली एनसीआर, एसडीजीपी संजय कुमार गुप्ता डॉक्टर अनिल कुमार छिपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष , डॉ राजीव कुमार, राष्ट्रीय सेक्रेटरी रश्मि अग्रवाल, अभिजीत राणे, राकेश अरोड़ा दिल्ली हाई कोर्ट, डॉ अमित कुमार, लन्दन यूके एस्पिरेन्ट मिस फरीन सोमानी, डॉ अशोक पांडेय, डॉ सोमा मुखर्जी, रितिका शाह, डॉ विवेकानंद, शीला शर्मा, एम ए मुर्तजा, प्रसिद्ध संगीतकार सोनाली राठौर रीवा राठौर रूप कुमार राठौड़, नेहरू युवा केंद्र के राधेश्याम गुरुजी, अनु धीर सेलेब्रीटी सोमा मुखर्जी डॉ संगीता आहूजा, डॉ नेन्सी जुनेजा, अर्जुन मिश्रा, इंद्रजीत घोष, लॉयन्स क्लब वेज दिल्ली के चार्टर प्रेसीडेंट गौरव गुप्ता, एसएमई बिज के सीईओ जितेंद्र चावला, मिनिस्ट्री ऑफ सोशेल जस्टिस से कंसलटेंट श्रीमती प्रतिभा, ओम कोठारी शेक्षणिक ग्रुप से डॉ. अमित सिंह,पदम श्री. डॉ राजगोपालन वासुदेवन, होवर रोबोटिक्स के फाउंडर एवं मेंटोर एक्स के जनक डॉ मुनीष जिंदल, नेशनल वीमेन एक्टिविस्ट डॉ हेमलता गांधी, डॉ अमोद शर्मा, शंकरी बाला, प्रज्ञा श्रीवास्तव, डॉ फरजाना, डॉ मनीष कुमार, डॉ शरीफ मेमन, अनिता यादव, डॉ भारत चौबे, प्रो.नयन रंजन सिन्हा, हेमन्त जयमन, गिरिराज शुक्ला, प्रशांत रॉय, डॉ सन्तोष तिवारी, डॉ सी पी भारद्वाज, डॉ राजीव कुमार मुकेश राजपूत रविंद्र रघुवंशी मिशन पंख के धर्मेंद्र जी सेंट्रल इंडिया प्रेस के डॉक्टर आनंद जी एनडीटीवी की हिमांशु जी डॉ जयप्रकाश जी पप्पू ठाकुर मुकेश कुमार राजपूत आराधना मालवा संयम जैन धर्मेंद्र मिशन पंख कौशलेंद्र रघुवंशी ममता सिंह और भी प्रसिद्ध विद्वान सभी 27 राज्य से उपस्थित रहे।

श्रीलंकाई नौसेना ने 54 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, पांच नौकाएं जब्त

श्रीलंका की नौसेना ने अपने जल क्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में कम से कम 54 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी पांच नौकाएं जब्त कर ली हैं। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। नौसेना ने मछुआरों को बुधवार को उत्तरी तट और उत्तर पूर्व के इलाकों से गिरफ्तार किया। नौसेना ने बयान में कहा कि विदेशी मछुआरों के श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने से स्थानीय मछुआरा समुदाय पर और श्रीलंका के मत्स्य संसाधन पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए नौसेना श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध मत्स्य गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार गश्त कर रही है। नौसेना ने कहा कि उसने पहले भी भारतीय प्राधिकार को इस प्रकार की घटनाओं की जानकारी दी है।

एंटीलिया केस: सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं होने पर परमबीर सिंह बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर हर महीने 100 करोड़ रुपए वसूली करवाने के आरोप की सीबीआई से जांच करवाने की मांग को लेकर मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने गुरुवार को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने कोर्ट से मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। वर्तमान में होमगार्ड के डीजी परमबीर ने कोर्ट से मुंबई पुलिस कमिश्नर पद से खुद को ट्रांसफर किए जाने की अधिसूचना पर भी रोक लगाए जाने की मांग की है। इससे पहले परमबीर सिंह ने बुधवार को दोनों मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए उनहें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दे रहे हैं। कोर्ट ने परमबीर के वकील मुकुल रोहतगी से कहा था कि आप लोग सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आ गए? अनिल देशमुख को पार्टी क्यों नहीं बनाया? रोहतगी ने इस पर संशोधित आवेदन दाखिल करने की बात कही। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की भी अपनी शक्तियां हैं आपको पहले वहां जाना चाहिए।

याचिका में परमबीर सिंह ने क्या आरोप लगाए?

परमबीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया था कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक रखने के लिए गिरफ्तार पुलिस अधिकारी सचिन वझे सीधा गृहमंत्री देशमुख के संपर्क में था। देशमुख ने फरवरी में अपने घर पर वाजे से मीटिंग की थी। देशमुख ने वझे को हर महीने 100 करोड़ रुपए की उगाही करने को कहा था। उन्होंने कोर्ट से गुहार लगाई थी कि इस सच्चाई को सामने लाने के लिए अनिल देशमुख के घर का सीसीटीवी फुटेज जल्द जब्त किया जाए, वर्ना वो इस महत्वपूर्ण सबूत को मिटा सकते हैं। परमबीर सिंह का कहना है कि उन्होंने अनिल देशमुख के जूनियर पुलिस अधिकारियों से सीधे मिलने और उनसे वसूली के लिए कहने की जानकारी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और दूसरे वरिष्ठ नेताओं को दी थी। इसके तुरंत बाद उन्हें पुलिस कमिश्नर पद से हटाकर डीजी होमगार्ड के पद पर भेज दिया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

जिला सामान्य अस्पताल की बंद सोनोग्राफी मशीन को तुरंत शुरू किया जाए

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। जिला सामान्य अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन पिछले 20 से 25 दिनों से बंद है, जिसके कारण मरीजों को काफी परेशानी है। सोनोग्राफी मशीन की तत्काल शुरू करने की मांग सामाजिक कार्यकर्ता शाकिर रजा ने 24 मार्च 2021 को जिला कलेक्टर और जिला सर्जन को दिए एक निवेदन द्वारा की है। दिए गए निवेदन में उल्लेख किया गया है कि बुलडाणा यह जिले का स्थान है, क्योंकि जिले भर से बड़ी संख्या में गरीब और आम नागरिक यहां सामान्य अस्पताल में आते हैं। इसमें

गर्भवती महिलाओं की संख्या अधिक है। इन गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी की जरूरत होती है। सरकारी अस्पताल में सोनोग्राफी सेंटर बंद होने के कारण गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता है। ईसी लिए यह मांग की गई है कि सोनोग्राफी सेंटर जल्द शुरू किया जाए। सोनोग्राफी मशीन शुरू नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी सामाजिक कार्यकर्ता और एमआईएम के पूर्व शहर अध्यक्ष शाकिर रजा ने दी है। निवेदन देते समय यूसुफ खान, याकूब ठेकेदार, साबिर शाह, समीर खान, सैयद रईस आदि मौजूद थे।

राजस्थान हलचल

शबे बारात से पहले तमाम कब्रिस्तानों की जाए साफ सफाई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जालंधर। तकरीबन 28 मार्च को आने वाले शबे बरात का त्यौहार इबादत की रात के रूप में हर साल मनाया जाता है और मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिद में नमाज पढ़कर और कब्रिस्तान मैं फातिहा पढ़ने के लिए जाते हैं और अपने मरहूमो के लिए दुआ करते हैं और अपने लिए भी अल्लाह पाक से दुआ मांगते हैं इसलिए नेशनल मुस्लिम नेशनल फ्रंट के दफ्तर में एक खास मीटिंग मेयर जगदीश राज राजा के साथ सैयद याकूब हुसैन नहीं की अध्यक्षता में किया गया जिसमें मुसलमानों को आ रही है कब्रिस्तान की दिक्कतों

और कब्रिस्तान की देखरेख और चार दिवारी की ऊपर चर्चा की गई मेयर जगदीश राज राजा ने कहा कि मुंसिपल कारपोरेशन की तरफ से जो भी संभव सेवा हो उसके लिए वह हमेशा मुस्लिम समाज के साथ है इस मौके पर मुस्लिम नेशनल फ्रंट के पंजाब प्रधान सय्यद याकूब हुसैन नकवी और गरीब नवाज फाउंडेशन के पंजाब चेयरमैन एवं सीनियर कांग्रेसी नेता मोहम्मद अकबर अली ईदगाह जामा मस्जिद के प्रधान शमशाद अहमद एवं मुस्लिम नेशनल फ्रंट के उप प्रधान सलीम अहमद एवं रहमानिया मस्जिद के खजांची इरफान खान आदि ने जरूरी बातों पर चर्चा की एवं मेहमान के तौर पर आने पर उनको फूलों का गुलदस्ता पेश किया साथ ही साथ में जिम्मेदारों की तरफ से एक अपील की गई कोई भी व्यक्ति कानून का उल्लंघन ना करें और अपने शहर के कानून के गाइडलाइन के हिसाब से त्यौहार को मनाएं और पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

मधुबनी हलचल

नीतीश सरकार ने पुलिसिया आतंकवाद के सहारे फासिवाद को गले लगाने में यूपी को भी पीछे छोड़ दिया: नजरे आलम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार सरकार ने पुलिसिया आतंकवाद के सहारे फासीवाद को गले लगाने की प्रतियोगिता में यूपी को पीछे छोड़ने के लिए कमर कस ली है। बिहार स्पेशल फासीवादी सरकार के मुखिया नीतीश कुमार टीम की कप्तानी करते हुए केंद्र के मशहूर जुमलेबाज की तर्ज पर जनता को गुमराह कर रहे हैं और विरोध करने वालों को तो आपने देखा ही किस तरह पीट रहे हैं जैसे कोई खानदानी दुश्मनी हो। उक्त बातें ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के अध्यक्ष नजरे आलम ने मिडिया से बातें करते हुए कही। श्री आलम ने कहा के कल पटना में हुए तांडव के बाद सवाल गंभीर हो रहे हैं और लोकतंत्र के आकाश में फासीवाद बड़े बड़े छेद कर रहा है ताकि तानाशाही की किरणें वश किरणों की तरह सरकार के विरोधियों को जलाकर खाक कर दें। लेकिन हम बिहारी भी ढ़ीठ हैं इनकी बेशर्मी और नंगेपन का जवाब हम अपनी एकता और समझदारी के साथ देंगे। बीजेपी के रिमोट से चल रही सरकार खुद को ये साबित करने के लिए बेचैन है कि वो आरएसएस

के सपनों को बिहार में मजबूती से लागू कर सकती है। पर खाकी चड्डी धारी चेलों को ये नहीं मालूम कि इस मिट्टी ने मुझ जैसे टेढ़ वाले करोड़ो को जन्म दिया जो कभी किसी के आगे दब-झुककर नहीं जी सकते। बिहार ने कभी ऐसे लोगों और ऐसी सरकारों को बर्दाश्त नहीं किया है। अंत में मैं सुशासन बाबू को पागल सांढ़ की संज्ञा देते हुए कहना चाहता हूँ कि मामला गंभीर है जिस जनप्रतिनिधि को लोगों ने सिस्टम से लड़ने के लिए, अपनी आवाज सरकार के सामने मजबूती से रखने के लिए घण्टों लाइन में खड़े होकर अपना मत देकर जिताया और विधानसभा भेजा, आज उसी विधानसभा में अपने विधायक को मामूली डीएम और एसपी से लात-घुसे खाते देखकर उनका इस लोकतंत्र से विश्वास उठ गया है कि इस शासन व्यवस्था में उनको कभी उनका हक नहीं मिलेगा। आज शायद बिहार की सड़कें लोहिया और कपूर्री को याद कर रो रही होंगी की नीतीश ने उनके बिहार को क्या बना दिया है। यहां जनता और जनप्रतिनिधि पर फरर मानसिकता वाले अफसर अपना हुक्म चलाते हैं, कानून बनाने वालों को सरे आम पीटते हैं और अबतो क्या ही कहना नीतीश के आशीर्वाद से अब तो ये खाकी वाले आतंकवादी किसी के भी घर घुस जाएंगे किसी को भी उठालेंगे और कारण क्या है हजारों बहाने तो आप देश में देख ही रहे हैं रोज बनते हैं। इसीलिए जरूरी है कि विपक्ष की पार्टियां दर्द की गोली खाकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले सभी गैर राजनीतिक संस्थाओं और लोगों को अतिशीघ्र संपर्क करके एक महामंथन बुलाकर पूरे बिहार में सरकार के खिलाफ अहिंसक जनांदोलन की शुरूआत करे और पहली कड़ी में बिहार बंद बुलाकर बिहार की सड़कों को जाम कर दें।

समस्तीपुर हलचल

बिहार विधानसभा उपाध्यक्ष बनने पर महेश्वर हजारी का जोरदार स्वागत

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार विधानसभा उपाध्यक्ष बनने पर पूर्व मंत्री महेश्वर हजारी का जोरदार स्वागत किया गया। समस्तीपुर गेस्ट हाउस में लगभग 11 बजे पहुचे उपाध्यक्ष पूर्व मंत्री कल्याणपुर के महेश्वर हजारी का फूल मालाओं से स्वागत किया गया जब मंत्री से बात की गई आखिर पुलिस बिल पर विधानसभा में जो हंगामा हुआ वो क्यों हुआ तब उन्होंने बताया ये पुलिस बिल वैसे पुलिस बल को विशेष पावर दिया जा रहा है जो एयरपोर्ट,मेट्रो और ओधोगिक जगहों पर सुरक्षा में तैनात रहेंगे। विपक्ष को इसकी जानकारी ही नही है इसलिए वो बेवजह विधानसभा अध्यक्ष के साथ ही उनके आसपास अभद्र व्यवहार करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

समस्तीपुर कांग्रेस कमिटी ने एक दिवसीय धरना का आयोजन किया

समस्तीपुर। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर तथा जिला कांग्रेस कमिटी समस्तीपुर के तत्वाधान में किसान विरोधी तीनों काले कानूनों की वापसी, डीजल, पेट्रोल तथा रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमत को वापस लेने, महंगाई पर अंकुश लगाने तथा अपराध पर नियंत्रण करने हेतु सरकार को बाध्य करने के उद्देश्य से एक दिवसीय धरना का आयोजन जिला प्रशासन की तुगलकी फरमान के कारण धरना स्थल सरकारी बस पड़ाव पर न होकर एक गली में अवस्थित जिला अल्पसंख्यक कार्यालय के प्रांगण में किया गया। धरना स्थल पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो0 अबू तमीम ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री तमीम तीनों कृषि कानूनों के किसान तथा आम सर्वहारा वर्ग पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सरकार से इसे अविलम्ब वापस लेने की मांग की तथा बढ़ती महंगाई एवं अपराध पर काबू करने का आहवान किया।

रामपुर हलचल

कुरआन ए पाक मुकम्मल हिफ्ज कराये जाने को लेकर दस्तारबंदी प्रोग्राम का आयोजन किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। मदरसा रोजतुलयूलूम इमली वाला मोहल्ला यूसुफ में कुरआन ए पाक मुकम्मल हिफ्ज कराये जाने को लेकर एक दस्तारबन्दी प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें बाहर से आये मुख्य अतिथि के रूप में मौलाना अब्दुल रहमान मुरादाबाद ने भाग लिया जिन छात्रों द्वारा कुरआन ए पाक मुकम्मल हिफ्ज किया गया उनको सम्मानित किया गया भविष्य में आगे की शिक्षा हासिल करने की प्रेरणा भी दी गई है आगे मौलाना ने कहा कि हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलय ही वसल्लम के तौर तरीकों को अपना कर उनपर अम्ल कर जिन्दगी गुजर बशर करने का तरीका अपनाये जाने को लेकर अम्ल कर चलने के लिए कहा गया बाद में भाई चारा अमनो अमान को लेकर दुआ कराई गई। इस अवसर पर मौलाना अब्दुल रहमान, मौलाना लियाकत अली, मौलाना इरफान, कारी रियासत अली, मौलाना जमील, मौलाना जलीस, मौलाना अब्दुल वाजिद, सहित मदरसा के लगभग सभी अध्यापक गणों ने भाग लिया सभा की अध्यक्षता कारी अब्दुल वासिद व संचालन मौलाना सईद ने किया।

मध्याह्न भोजन रसोइया कल्याण समिति के द्वार मधुबनी समाहरनालय के पास एक दिवसीय धरना दिया गया

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मध्याह्न भोजन रसोईया कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष जुली देवी के नेतृत्व में मधुबनी जिला समाहरणालय के सामने एक दिवसीय धरना कार्यक्रम किया गया। एक तरफ बिहार सरकार नारी शक्ति को मजबूत करने की बात टीवी चैनल और अखबार में दिन-रात ढिंढोरा पीट रही है। दुसरी तरफ बिहार सरकार 50रु मानदेय देकर बिहार के सभी प्राथमिक एवं माध्य विद्यालय में कार्यरत महिला को बंधुआ मजदूर बनाकर शोषण कर रही है।

इसलिए उपरोक्त विषय के संदर्भ में आग्रहपूर्वक बिहार सरकार से निम्न मांगों की पूर्ति हेतु सरकार का ध्यान जिला प्रशासन के माध्यम से आकर्षित करना चाहती हूं :

1) सरकारी विद्यालयों में कार्यरत एमडीएम रसोइया की सेवा नियमित की जाय।
2) एमडीएम रसोईया की मानदेय में सम्मानजनक बृद्धि करते हुए न्यूनतम दैनिक मजदूरी के अनुसार मानदेय की भुगतान की जाए।

3) एमडीएम रसोईया को भी पीएम स्वनिधि आत्मनिर्भर योजना का लाभ प्रदान की जाए।
4) नियोजित शिक्षकों की तरह एमडीएम रसोईया का वेतन वृद्धि, पीएफ, बीमा, मेडिकल अवकाश भत्ता की सुविधा दी जाए।
5) कोरोना महामारी लॉकडाउन में कोरोना जोधा के रूप में कार्य करने वाले एवं प्रवासी मजदूरों की सेवा करने वाले रसोईया को पारश्रमिक राशि की भुगतान यथाशीघ्र की जाए।
6) एमडीएम रसोईया का बकाया पारिश्रमिक होली पर्व को देखते हुए यथाशीघ्र भुगतान किया जाए।
7) एमडीएम रसोईया को सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी कर्मी की तरफ पेंशन राशि व सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान की जाए।
8) सभी कार्यरत रसोईया को नियोजन पत्र अविलंब दिया जाय।

इस धरना कार्यक्रम में संघ के निम्न नेता और नेत्रीगण धरनार्थियों को संबोधित करने वालों में संघ के प्रमंडलीय अध्यक्ष हेमंत कुमार यादव, योगेन्द्र पंडित, समाजवादी नेता राम सुदिष्ट यादव, मो मुमताज आलम, इंद्र कुमार मंडल, परशुराम कामत, उर्मिला देवी, शीला देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी, उर्मिला देवी, संगीता देवी, ममता देवी, विनर देवी, रंजू देवी, मीना देवी, सुखी साह , योगेन्द्र यादव आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महिला बेस्ट फ्रैंड होने के फायदे

अक्सर यह कह दिया जाता है कि नारी की दुश्मननारी ही होती है, परंतु यदि आप सोचें तो एक नारी को अपने दिल की बात दूसरी नारी को बता कर ही सुकून मिलता है, कभी मां के आंचल की छांव में आकर वो दिल का बोझ हल्का करती है, तो कभी बहन का प्यार उसके दिल पर मलहम लगाता है, कभी सहेलियों की चुहलबाजी में वह दिल के राज ब्यां करती है, तो कभी ननद की शरारतों संग कॉलेज की बातें सांझा करती है और कभी अपनी बेटी के साथ बैठ कर छोटी-छोटी बातों की माला गूंधती है अर्थात एक नारी अपने खुशी और गम केवल दूसरी नारी से ही बांट सकती है। कोई रैसिपी पूछनी हो, शॉपिंग पर जाना हो, मूवी देखनी हो या फिर गॉसिप का पिटारा खोलना हो, ऐसे बहुत से कारण हैं जहां एक नारी को नारी की ही जरूरत महसूस होती है।

तनाव मुक्त रहने के लिए

महिलाओं से जुड़ी ऐसी कई बातें होती हैं, जिसे वे चाह कर भी पुरुषों से शेयर नहीं कर पातीं, ऐसे नाजुक समय में उन्हें किसी नारी के साथ की ही बहुत जरूरत होती है, फिर चाहे वह पति-पत्नी के रिश्ते से जुड़ी कोई समस्या या संवेदनशील मुद्दा हो, हैल्थ संबंधी समस्या हो या फिर आपसी अहम् की बात हो, पति-पत्नी की आपसी कहा-सुनी हो, पारिवारिक सास-बहू, ननद-जेठानी से जुड़े वाद-विवाद हों या अविवाहित बेटी से तनाव हो, इन तमाम विषयों पर अपनी नजदीकी नारी से बात कर के ही एक नारी खुद को काफी हल्का महसूस करती है। अपने मन की बात दूसरी नारी से सांझी करने के बाद ही स्वयं को हल्का महसूस करती है तथा तनाव मुक्त हो जाती है।

जिम्मेदारियां निभाने के लिए

तीज-त्योहार हो या शादी-ब्याह का माहौल हो, उस समय इतने काम निकल आते हैं कि तब एक महिला को दूसरी महिलाओं की जरूरत महसूस होती है, कितनी ही रस्में हैं, जिन्हें केवल महिलाएं ही निभाती हैं और ऐसे मौकों पर कितने ही काम हैं, जिन्हें वे पूरी जिम्मेदारी से करती हैं।

आज एक परिवार होने के कारण घर पर अधिकांशतः एक ही महिला होती है और जब उसे किसी रिश्तेदार या सहेली का साथ मिल जाता है, तो उसमें एक नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। ये ऐसे मौके हैं, जहां आधुनिक होने के बावजूद भी महिलाएं एक साथ मिल कर अधिकांश कामों को सहजता से निपटा लेती हैं। अतः यह कहना गलत होगा कि केवल संगीत की महफिल ही महिलाओं के दम पर जमती है, बल्कि हर जिम्मेवारी वाला काम महिलाओं के साथ से ही संभव हो पाता है।

प्रशंसक भी आलोचक भी

हम भले ही कितने भी अच्छे और समझदार हों, परंतु कमी तो हर किसी में रहती है और एक नारी को दूसरी नारी से बेहतर कौन समझ सकता है, तभी तो नारी को अपनी प्रशंसा और आलोचना पर तभी विश्वास होता है, जब वह दूसरी नारी के मुंह से सुनती है, क्योंकि नारी ही दूसरी नारी को बेहतर ढंग से समझ सकती है या कोई बात कह सकती है। वह उससे कड़वा सच भी बिना लाग-लपेट के कहदेती है और प्रशंसा भी सहजता से कर देती है, अतः महिलाएं ही एक दूसरे की सही मायने में प्रशंसक एवं आलोचक होती हैं।

जब जीवन साथी से कहना संभव न हो

बहुत सी बातें हैं जो पत्नी अपने पति से नहीं कर पातीऔर बहुत सी बातों को सुनने का पति देव के पास भी वक्त नहीं होता, अपनी ही व्यस्तताओं में उलझे पति को पत्नी की बहुत सी बातें बेमानी लगती हैं और वह उन्हें या तो बेमन से सुनता है या फिर नजर अंदाज कर देता है।

ऐसे में पत्नी की कोई बेस्ट फ्रेंड या फिर कोई करीबी महिला ही उसकी सबसे बड़ी राजदार होती है, जिससे वह अपनी बातें शेयर कर सकती है या वक्त निकाल कर उसे सुन सकती है।

लंबी उम्र का राज महिलाओं की लंबी उम्र का राज भी शायद यही है कि वह अपने दिल की हर बात अपनी सहेलियों या महिला रिश्तेदारों के साथ सांझी कर लेती हैं, जिससे कि उनके जीवन में कोई टैंशन रहती ही नहीं है। यही नहीं वह अपनी सोशल लाईफ को भी बेहतरीन तरीके से जीती है। घर-गृहस्थी संभालना, सामाजिक कार्यक्रमों एवं फेस्टिवल में भाग लेना तथा सहेलियों के साथ हंसी-खुशी अपना हर बिता लेना ही उन्हें आदि हेल्दी, खुशमिजाज और खुशहाल लंबा जीवन जीने में मदद करता है।

प्रेरणा का दूसरा नाम

कहते हैं कि हर कामयाब पुरुष के पीछे किसी महिला का सहयोग होता है, परंतु यदि महिलाओं की सफलता की बात की जाए।

एक नारी को आगे बढे और सफलता के मुकाम पर पहुंचाने वाली भी कोई दूसरी नारी ही होती है, वह भले ही उसकी मां, बहन, बेटी या फिर सहेली के रूप में ही क्यों न हो।

फायदेमंद है मूंगफली

मूंगफली वैसे तो हर मौसम में नमकीन जैसी और भी चीजों में इस्तेमाल होती है लेकिन सर्दियों लोग इसे बहुत शौंक से खाते हैं। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन जैसे और भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आइए जाने इसे खाने के सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

1. दिल के लिए
मूंगफली कोलेस्ट्राल को कंट्रोल करने में मददगार है। इससे दिल संबंधी बीमारियों से बचा जा सकता है।

2. प्रोटीन से भरपूर
प्रोटीन बॉडी के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से पुराने सेल्स की मुरम्मत होती है और नए सेल्स का निर्माण होता है जो रोगों से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती है।

3. पाचन प्रक्रिया
मूंगफली में पाया जाने वाला तेल पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज,गैस और एसिडिटी की समस्या से भी राहत मिलती है। इससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है।

4. गर्भावस्था में जरूरी
मूंगफली का नियमित सेवन प्रैंगनेसी के लिए भी बहुत अच्छा होता है। यह गर्भावस्था में शिशु के विकास में मदद करती है।

5. खून की कमी
रोजाना 50 या 100 ग्राम मूंगफली रोजाना खाने से सेहत बनती है। भोजन आसानी से पचता है और शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

बीमारियों से बचने के लिए खाएं ड्राईफ्रूट

सर्दी का मौसम शूरू हो गया है। सर्दी का मौसम हर किसी को पसंद होता हैं। इस मौसम में गरमा-गरम पकवान खाने का अलग ही मजा है। वहीं यह मौसम अपने साथ कई बीमारियों को भी साथ लेकर आता है। अगर आप कुछ चीजों का सेवन करें तो इन बीमारियों से बच सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजें बताएंगे, जो प्रोटीन और विटामिन्स से भरपूर है। तो आइए जानें इन चीजों के बारे में...

अखरोट
अखरोट में पाए जाने वाले तत्व(फाइबर, विटामिन बी, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट) शरीर को स्वस्थ रहने में मदद करते हैं। रोजाना एक अखरोट खाने से की बीमारियां दूर होती हैं।

बादाम
बादाम का शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। बादाम में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और विटामिन्स पाए जाते है जो शरीर को कई रोगों से मुक्त करते हैं।

पिस्ता
पिस्ता का सेवन करने से हार्ट अटैक और कोलेस्ट्रॉल से बचा जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले तत्व शरीर को कई बीमारियों से बचाते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फिल्म 'रोजी' में नजर आएंगे अरबाज और मल्लिका शेरावत

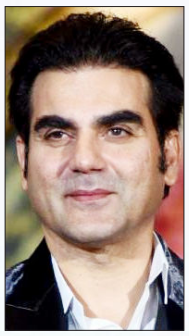

श्वेता तिवारी की बेटी फिल्म रोजी : द सैफ्रॉन चैप्टरऐ से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। पिछले साल जुलाई में इस फिल्म की घोषणा की गई थी। इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक ताजा जानकारी सामने आ रही है। खबरों के अनुसार इस फिल्म में अभिनेत्री मल्लिका शेरावत और अरबाज खान भी शामिल हो गए हैं। यह एक सच्ची घटना पर आधारित हॉरर थ्रिलर होगी। इस फिल्म से श्वेता की बेटी पलक को बॉलीवुड में लॉन्च किया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से फिर शुरू होने वाली है। फिल्म की कहानी हॉरर और सस्पेंस से भरी होगी। इसमें गुरुग्राम की एक सच्ची घटना को फिल्माया जाएगा। यह फिल्म रोजी के किरदार के इर्दगिर्द घूमती है, जो सैफ्रॉन बीपीओ की कर्मचारियों होती हैं। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे इस बीपीओ पर भूत-प्रेत का साया मंडराता है। फिल्म में अरबाज पुलिस वाले की भूमिका में दिखेंगे। निर्माताओं का मानना है कि इस फिल्म में मल्लिका को बिल्कुल अलग अवतार में देखा जाएगा। बताया जा रहा है कि मल्लिका इससे पहले किसी फिल्म में इस अवतार में नहीं दिखी होंगी। फिल्म के पात्रों के बारे में अभी अधिक जानकारी शेयर नहीं की गई है।

23 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी सैफ और रानी मुखर्जी की 'बंटी और बबली 2'

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप फिर तेजी से बढ़ने लगा है। इसका असर फिल्म इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। खबरें आ रही है कि सैफ अली खान और रानी मुखर्जी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बंटी और बबली 2' की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। कोरोना के बढ़ते मामलों के देखते हुए यह फैसला लिया गया है। यह फिल्म 23 अप्रैल 2021 को रिलीज होने वाली थी। अब मेकर्स ने बताया है कि ये फिल्म इस डेट पर रिलीज नहीं होगी। यशराज फिल्म इस फिल्म की नई डेट का ऐलान बाद में करेगा। इस फिल्म में सैफ और रानी के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी वाघ भी हैं। इस खबर के सामने आने से फैंस को निराशा हाथ लगी है। इससे पहले राणा दग्गुबाती की फिल्म हाथी मेरे साथी की रिलीज डेट को आगे बढ़ाया गया था। सैफ अली खान और रानी मुखर्जी एक लंबे समय के बाद एक बार फिर से पर्दे पर धमाल करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल मार्च में ही पूरी हो चुकी है। लॉकडाउन के चलते ये फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। ये फिल्म पिछले साल 26 जून 2020 को होनी थी लेकिन नहीं हो पाई।

'पठान' के लिए शाहरुख ने वसूली मोटी रकम

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख जल्द ही फिल्म 'पठान' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर नई अपडेट सामने आती रहती हैं। ताजा खबरों की माने तो शाहरुख ने इस फिल्म के लिए मेकर्स से बड़ी रकम वसूली हैं। बताया जा रहा है कि वह 'पठान' के लिए करीब 100 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं। खबरों के अनुसार शाहरुख इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा पैसे लेने वाले अभिनेता बन गए हैं। शाहरुख ने अक्षय कुमार, सलमान खान और अन्य कलाकारों को भी पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि यदि फिल्म 100 करोड़ की भी कमाई करती है तो शाहरुख इसमें से 45 करोड़ लेंगे।